

दिनांक: 2 अगस्त 2023

भारत और श्रीलंका

मुख्य परीक्षा : सामान्य अध्ययन-2 अंतर्राष्ट्रीय संबंध

संदर्भ-

- हाल ही में भारत दौरे में आए श्रीलंका के राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने भारत के प्रधानमंत्री मोदी ने द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मामलों पर चर्चा की।



प्रमुख बिन्दु-

- चर्चा में एक पेट्रोलियम पाइपलाइन और एक भूमि पुल कनेक्टिविटी परियोजना के लिए व्यवहार्यता अध्ययन करने पर सहमत हुए।
- नागपट्टिनम (भारत) और कांकेसनतुरई (श्रीलंका) के बीच यात्री नौका सेवाएं शुरू करने की योजना बनाई गई।
- श्रीलंका में यूपीआई के लॉन्च से फिनटेक कनेक्टिविटी बढ़ेगी।
- एक आर्थिक और प्रौद्योगिकी सहयोग समझौते का उद्देश्य व्यापार और निवेश को प्रोत्साहित करना है।
- श्रीलंका के आर्थिक संकट के दौरान, भारत ने पर्याप्त वित्तीय सहायता प्रदान की।

श्रीलंका के राष्ट्रपति की भारत यात्रा के मुख्य परिणाम-

- भारत और श्रीलंका के बीच कई समझौता ज्ञापनों और समझौतों का आदान-प्रदान किया गया।
- पशुपालन और डेयरी सहयोग के लिए एक संयुक्त आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए गए।
- नवीकरणीय ऊर्जा सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) की स्थापना की गई थी।
- श्रीलंका के त्रिकोमाली जिले में आर्थिक विकास परियोजनाओं के लिए सहयोग ज्ञापन पर सहमति हुई।
- एनआईपीएल और लंका पे के बीच नेटवर्क टू नेटवर्क समझौते ने श्रीलंका में यूपीआई आवेदन स्वीकृति की सुविधा प्रदान की।
- समपुर सौर ऊर्जा परियोजना के लिए एक ऊर्जा परमिट प्रदान किया गया था।
- दोनों पक्षों ने विभिन्न क्षेत्रों में आपसी सहयोग के उद्देश्य से भारत-श्रीलंका आर्थिक साझेदारी विजन दस्तावेज को अपनाया।

भारत-श्रीलंका आर्थिक साझेदारी विजन दस्तावेज: मुख्य विशेषताएं

“कनेक्टिविटी को बढ़ावा देना, समृद्धि को उत्प्रेरित करना: भारत-श्रीलंका आर्थिक साझेदारी विजन” शीर्षक वाला दस्तावेज पांच स्तंभों पर आधारित है:

- समुद्री कनेक्टिविटी
- हवाई संपर्क
- ऊर्जा और बिजली कनेक्टिविटी
- व्यापार, आर्थिक और वित्तीय कनेक्टिविटी
- लोगों से लोगों के बीच संपर्क

समुद्री कनेक्टिविटी-

- क्षेत्रीय रसद और शिपिंग को बढ़ाने के लिए कोलंबो, त्रिकोमाली और कांकेसनथुरई में बंदरगाहों और रसद के विकास में सहयोग।
- नागपट्टिनम (भारत) और कांकेसनथुरई (श्रीलंका) के बीच यात्री नौका सेवाओं को फिर से शुरू करने और रामेश्वरम और तलाईमन्नार के बीच सेवाओं का पता लगाने की योजना है।

हवाई संपर्क-

- चेन्नई और कोलंबो के बीच उड़ानों का विस्तार और चेन्नई और त्रिकोमाली, बट्टिकलोवा और अन्य श्रीलंकाई गंतव्यों के बीच कनेक्टिविटी में सहयोग किया जाएगा।

ऊर्जा और बिजली कनेक्टिविटी-

- श्रीलंका और बीबीआईएन देशों सहित अन्य क्षेत्रीय देशों के बीच द्विदिश बिजली व्यापार की सुविधा के लिए एक उच्च क्षमता वाले पावर ग्रिड इंटरकनेक्शन की स्थापना।
- श्रीलंका में बिजली की लागत को कम करने और विदेशी मुद्रा का एक मूल्यवान स्रोत प्रदान करने की क्षमता।
- समपुर सौर ऊर्जा परियोजना के कार्यान्वयन में तेजी लाना और ग्रीन हाइड्रोजन और ग्रीन अमोनिया में सहयोग करना।
- भारत के दक्षिण से श्रीलंका तक एक बहु-उत्पाद पेट्रोलियम पाइपलाइन पर सहयोग करना और श्रीलंका के अपतटीय बेसिनों में संयुक्त रूप से हाइड्रोकार्बन में सहयोग और उत्पादन करना।

व्यापार, आर्थिक और वित्तीय कनेक्टिविटी-

- नए और प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में द्विपक्षीय व्यापार और निवेश बढ़ाने के लिए आर्थिक और प्रौद्योगिकी सहयोग समझौते पर चर्चा।
- भारतीय रुपये को व्यापार निपटान के लिए मुद्रा के रूप में नामित करना, मजबूत और पारस्परिक रूप से लाभकारी वाणिज्यिक संबंधों को बढ़ावा देना।
- व्यवसायों और लोगों के बीच व्यापार और लेनदेन को बढ़ाने के लिए यूपीआई-आधारित डिजिटल भुगतान का संचालन।

लोगों से लोगों के बीच संपर्क-

- पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए श्रीलंका में धार्मिक पूजा के प्राचीन स्थलों के साथ-साथ भारत के बौद्ध सर्किट और रामायण की जागरूकता और लोकप्रियता को बढ़ावा देना।

भूमि संपर्क पर फोकस-

- श्रीलंका के राजदूत ने भारत-श्रीलंका संबंधों के लिए भूमि संपर्क के महत्व पर जोर दिया।
- पर्यावरण संबंधी चिंताओं को संबोधित करने पर यूके से यूरोप तक “चैनल सुरंग” के समान कनेक्टिविटी परियोजनाओं का प्रस्ताव करता है।
- भारत के आर्थिक विकास से लाभान्वित होने की श्रीलंका की उम्मीदें इस यात्रा से बढ़ावा मिलेगा।
- राष्ट्रपति विक्रमसिंघे की यात्रा के दौरान तमिल बहुल क्षेत्रों को सत्ता के हस्तांतरण के लिए 13वें संशोधन पर चर्चा हुई।

- त्रिकोमाली और कोलंबो बंदरगाहों के लिए श्रीलंका और भारत के बीच **भूमि संपर्क** पर व्यवहार्यता अध्ययन की योजना बनाया गया है।
- आर्थिक विकास और समृद्धि के उद्देश्य से परियोजनाओं में तेजी लाने के लिए निजी निवेश को प्रोत्साहित किया गया।

भारत के लिए श्रीलंका का रणनीतिक महत्व

- हिंद महासागर में समुद्री संचार और व्यापार के लिए श्रीलंका की भू-रणनीतिक स्थिति महत्वपूर्ण है।
- भारत विशेष रूप से रणनीतिक बंदरगाहों पर चीनी प्रभाव के बारे में चिंतित है।
- श्रीलंका को चीन की ओर झुकने से रोकने और क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने के लिए भारत सहायता की पेशकश कर रहा है।

चीन-भारत-श्रीलंका त्रिकोण

- चीन भारत की बढ़ती शक्ति का मुकाबला करने और संचार के समुद्री लेन को सुरक्षित करने के लिए दक्षिण एशिया में सक्रिय रूप से संलग्न है।
- भारत की **नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी** आपसी विकास चाहती है, लेकिन चीन का प्रभाव चिंताएं बढ़ाता है।
- श्रीलंका आर्थिक लाभ के लिए अपने संतुलित दृष्टिकोण का लाभ उठाते हुए भारत और चीन दोनों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध रखता है।
- भारत-चीन प्रतिद्वंद्विता के बीच 'चाइना कार्ड' खेलने से श्रीलंका को फायदा होता है।

चिंताएँ-

- चीन महामारी के दौरान से श्रीलंका में काफी सक्रिय रूप से सहायता प्रदान कर रहा है, जिससे यह द्वीप चीनी प्रभाव के करीब आ रहा है।
- भारत श्रीलंका के साथ अपने संबंधों में चुनौतियों का सामना कर रहा है, जिसमें **मछुआरों के मुद्दे** और **चीनी उपस्थिति शामिल हैं**।
- भारत का लक्ष्य श्रीलंका के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप किए बिना द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना है।
- **अमेरिका और जापान** हिंद-प्रशांत क्षेत्र में श्रीलंका पर करीब से नजर रख रहे हैं।
- क्षेत्रीय सहयोग और **आर्थिक सुधार** के लिए श्रीलंका की **स्थिर भूमिका महत्वपूर्ण है**।

आगे का रास्ता

- सुरक्षा चिंताओं को समझते हुए श्रीलंका के आर्थिक संकट के दौरान **भारत की सहायता के** माध्यम से विश्वास का निर्माण करें।
- आपसी सुरक्षा लाभ के लिए निवेश के माध्यम से **व्यापार और आपूर्ति श्रृंखलाओं को बढ़ाना**।
- भारत-जापान संबंधों की तरह संबंधों को **पारस्परिक व्यापार** में बदलें।
- प्रभावी कार्यान्वयन के लिए **एकल विकास बैंक के** माध्यम से सहायता को सुव्यवस्थित करें।
- उच्च गुणवत्ता वाले **मुक्त व्यापार सौदे पर अमल करे**, आपूर्ति श्रृंखला और निवेश पर ध्यान केंद्रित करें।
- निर्बाध लेनदेन के लिए भारत के **डिजिटल बुनियादी ढांचे को अपनाने पर विचार करें**।
- आर्थिक संकटों के लिए प्रारंभिक चेतावनी तंत्र **विकसित करना**, सहयोग बढ़ाना।

स्रोत: द हिन्दू-

प्रारम्भिक परीक्षा :

प्रश्न. कभी-कभी समाचारों में देखा जाने वाला एलीफेंट पास का उल्लेख निम्नलिखित में से किस मामले के संदर्भ में किया जाता है? यूपीएससी (2009)

- बांग्लादेश
- भारत
- नेपाल

(d) श्रीलंका

उत्तर: (d)

मुख्य परीक्षा :

प्रश्न. 'भारत श्रीलंका का बरसों पुराना मित्र है।' पूर्ववर्ती कथन के आलोक में श्रीलंका के वर्तमान संकट में भारत की भूमिका की विवेचना कीजिये। यूपीएससी (2022)

Rajiv Pandey

अकीरा रैनसमवेयर

पाठ्यक्रम: जीएस 3 / साइबर सुरक्षा

संदर्भ-

- हाल ही में, भारतीय कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम (सीईआरटी-इन) ने 'अकीरा' नामक रैनसमवेयर के लिए अलर्ट जारी किया है।



अकीरा रैनसमवेयर के बारे में-

- अकीरा महत्वपूर्ण व्यक्तिगत जानकारी चुराता है और डाटा को एन्क्रिप्ट कर लोगों से पैसे की उगाही करता है।
- जब रैनसमवेयर किसी डिवाइस को संक्रमित करता है और संवेदनशील डेटा चुरा लेता है या उसे एन्क्रिप्ट करता है, तो हमले के पीछे का समूह पीड़ितों को फिरौती की मांग के लिए मजबूर करता है और धमकी देता है कि अगर उनकी मांगें नहीं पूरी की जाती हैं, तो वे डेटा को अपने डार्क वेब ब्लॉग पर पोस्ट करेंगे।
- यह कंप्यूटर मालवेयर विंडोज और लिनक्स-आधारित सिस्टम को निशाना बना रहा है।
- रैनसमवेयर को इसका नाम सभी एन्क्रिप्टेड फ़ाइलों के फ़ाइल नामों को "अकीरा " एक्सटेंशन के साथ जोड़कर संशोधित करने की क्षमता के कारण मिलता है।
- यह वीपीएन सेवाओं का उपयोग करता है, खासकर जब उपयोगकर्ताओं ने दुर्भावनापूर्ण फ़ाइलों को डाउनलोड करने में उपयोगकर्ताओं को धोखा देने के लिए दो-कारक प्रमाणीकरण सक्षम नहीं किया है।
- डेटा चोरी और एन्क्रिप्ट करता है, जिससे पीड़ितों को **डिक्रिप्शन और रिकवरी के लिए दोगुनी फिरौती का भुगतान करने के लिए** मजबूर होना पड़ता है।

लक्षित क्षेत्र और चिंताएं-

- मार्च 2023 के बाद से, रैनसमवेयर अधिक प्रचलित हो गया है और मुख्य रूप से परामर्श, वित्त, अचल संपत्ति, विनिर्माण और शिक्षा क्षेत्रों में व्यावसायिक नेटवर्क के माध्यम से अधिक पीड़ितों की एक सूची बनाई है।
- धमकी देने वाले जबरन वसूली के प्रयासों में लाभ उठाने के लिए संवेदनशील कॉर्पोरेट डेटा भी चुरा लेते हैं।

- अकीरा ने पहले ही लंदन कैपिटल ग्रुप और डेवलपमेंट बैंक ऑफ सदरन अफ्रीका सहित वित्त, शिक्षा, विनिर्माण और परिसंपत्ति प्रबंधन सहित विभिन्न कई फर्मों पर हमला किया है।

उपाय-

- **सीईआरटी-इन:** 2004 में स्थापित, भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम (सीईआरटी-इन) राष्ट्रीय नोडल एजेंसी है जो साइबर हमलों पर इनपुट एकत्र करती है, विश्लेषण करती है और परिचालित करती है, निवारक उपायों, पूर्वानुमानों और अलर्ट जारी करने के लिए दिशानिर्देश, सलाह जारी करती है, और किसी भी महत्वपूर्ण साइबर सुरक्षा घटना को संभालने के लिए उपाय करती है।
- **राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय के तहत राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा समन्वयक,** साइबर सुरक्षा के मुद्दों पर राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न एजेंसियों के साथ समन्वय करता है, जबकि राष्ट्रीय महत्वपूर्ण सूचना बुनियादी ढांचे की सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय महत्वपूर्ण सूचना अवसंरचना संरक्षण केंद्र स्थापित किया गया है।
- **साइबर स्वच्छता केंद्र** (बॉटनेट क्लीनिंग एंड मैलवेयर एनालिसिस सेंटर) खतरनाक सॉफ्टवेयर कार्यक्रमों का पता लगाने और उन्हें दूर करने के लिए मुफ्त उपकरण प्रदान करने के लिए लॉन्च किया गया है, जबकि राष्ट्रीय साइबर समन्वय केंद्र मौजूदा और संभावित खतरों के बारे में जागरूकता पैदा करने का काम करता है।

रैनसमवेयर-

- रैनसमवेयर एक प्रकार का दुर्भावनापूर्ण सॉफ्टवेयर या मैलवेयर है, जो आपको आपके कंप्यूटर फ़ाइलों, सिस्टम या नेटवर्क तक पहुंचने से रोकता है और उन्हें वापस करने के लिए आपसे फिरोती की मांग करता है। रैनसमवेयर हमलों के कारण परिचालन में महंगी बाधाएं आ सकती हैं और महत्वपूर्ण जानकारी और डेटा की हानि हो सकती है।

स्रोत: TH

प्रारंभिक परीक्षा प्रश्न-

रैनसमवेयर वायरस 'अकीरा' के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह व्यक्तिगत जानकारी चुराता है और जबरन वसूली के लिए डेटा को एन्क्रिप्ट करता है।
2. अकीरा ने पहले ही लंदन कैपिटल ग्रुप और डेवलपमेंट बैंक ऑफ सदरन अफ्रीका को नुकसान पहुंचाया है।
3. यह विंडोज़ और लिनक्स-आधारित सिस्टम को लक्षित करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही है/हैं?

1. केवल एक
2. केवल दो
3. सभी तीनों
4. कोई नहीं

उत्तर: 3

Rajiv Pandey